GREENLAWNS HIGH SCHOOL
FINAL EXAMINATION YEAR 2018

SUBJECT : HINDI | CLASS : VIII
TIME : 2 ½ HRS | MARKS :80

Answer to this paper must be written on the paper provided separately. You will not be allowed to write during the first 10 minutes. This time is to be spent in reading the question paper. The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.

This paper comprises of two sections:
Section A and Section B.
Attempt all the questions from section A
Attempt any three questions from section B.
(Question No. 5,6,7,8) and question No. 9 Compulsory.

Section A (40 Marks)
Attempt all questions

प्रश्न १. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए- (१५)

१) आलस्य सबसे बड़ा शत्रु

२) प्रगति की ओर भारत के बढ़ते कदम

३) पर्वतीय स्थल की यात्रा

४) "सादा जीवन उच्च विचार" उक्ति को ध्यान में रखकर एक कहानी लिखिए।

५) नीचे दिए गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

प्रश्न २. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए। (७)

१) किसी समाचार पत्र के सम्पादक को लिखें कि बसों में यात्रियों की अत्यधिक भीड़ से कितना कष्ट होता है। बसों की संख्या बढ़वाने से इस समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

२) आपके मित्र के पिता की फैक्टरी में आग लगने से करोड़ों का नुकसान हुआ। मित्र को संवेदना पत्र लिखिए।

प्रश्न ३. नीचे लिखे गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (१०)

उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए।

यूनान में एक बड़ा वैभवसम्पन्न और शक्तिशाली बादशाह राज्य करता था। उसे अपनी अतुल्य सम्पदा और अखंड शासन पर अहंकार था और वह स्वयं को संसार का सबसे सुखी इंसान मानता था। उसके राज्य में सोलन नामक एक अद्वितीय विद्वान भी रहता था। एक दिन बादशाह का वैभव देखने वह राजधानी आया। राजा को आशा थी कि उसके ऐश्वर्य को देखकर सोलन की आँखें फटी की फटी रह जायेंगी। वह अवश्य ही इसका चमत्कारपूर्ण वर्णन अपनी पुस्तकों में करेगा।

उसने प्रेम से सोलन को अपना महल घुमाया। राजा सोलन की आँखों में आश्चर्य का भाव देखना चाहता था। लेकिन सोलन पर उसकी बाह्य चकाचौंध का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। वह पूर्ववत् ही गंभीर और शांत बना रहा।

सोलन को कुछ न बोलते देख राजा ने पूछा आपकी दृष्टि में संसार का सबसे सुखी प्राणी कौन है ?

सोलन ने कहा कि अमुक गाँव के अमुक किसान जैसा सुखी मैंने किसी को नहीं पाया। इस उत्तर से निराश राजा ने उस किसान के सुख का कारण पूछा। सोलन ने कहा कि वह अपने परिवार के गुजारे लायक अन्न खेतों में उत्पन्न कर लेता है। वह न तो दूसरों की कमाई खाता था और न ही उसे किसी से द्वेष था। उसकी संतान उसकी ही तरह नेक और मेहनती निकली। वह मरते समय शांत था क्योंकि एक तो वह अपने कर्तव्यों को पूर्ण करके मरा था और दूसरे उसके मरते ही लड़कों ने अपने घर का बोझ संभाल लिया था। मरने के बाद भी उसकी आत्मा सुखी ही रहेगी। अत: मैंने तो ऐसा सुखी व्यक्ति अन्यत्र नहीं देखा।

अहंकारी राजा ने सोलन से कहा कि आप कैसे पंडित हैं जो राजा तथा रंक में कोई भेद नहीं कर पाते। संसार में सुख के मुख्य आधार प्रभुता और धन दोनों ही मेरे पास हैं। फिर भी आप मुझे दुनियां का सुखी इंसान नहीं मानते।

सोलन ने कहा सुख चित्त में पैदा होता है, वहीं फलता-फूलता है और नष्ट हो जाता है। यह बाजार में नहीं मिलता है। धन-ऐश्वर्य की अधिकता से मनुष्य सुखी और शांत नहीं होता। धन तृष्णा और मृग तृष्णा का परिणाम एक ही होता है।

बादशाह ने क्रोध में आकर सोलन को निकाल तो दिया लेकिन उसे सोलन की बात लग गई। उसने अपना ह्रदय टटोला और पाया कि वाकई वहाँ शांति नहीं थी। सोलन की कसौटी पर अपने जीवन को कसने पर बादशाह को भीतर ही भीतर दु:ख एंव अशांति की कलियां दिखाई दीं।

१) यूनान में कौन राज्य करता था ? उसे किस बात पर घमंड था ? (२)

२) सोलन कौन था ? उसके राजधानी आने का क्या कारण था ? (२)

३) बादशाह को सोलन से क्या आशा थी ? उसके लिए उसने क्या किया ? क्या सोलन पर इसका प्रभाव पड़ा ? (२)

४) सोलन ने किसान के सुखी होने का क्या कारण बताया ? (२)

५) बादशाह अपने आप को सुखी क्यों मानता था ? सुख के विषय में सोलन के क्या विचार थे ? (२)

प्रश्न ४. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए।

१) किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। (१)

१) हिरण २) गर्मी

२) विलोम शब्द लिखिए। (१)

१) श्रद्धा २) सूक्ष्म

३) विशेषण बनाइए- (१)

१) नगर २) चाचा

४) भाववाचक संज्ञा बनाकर लिखिए- (१)

१) कड़वा २) सती

५) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए। (१)

१) जहर उगलना

२) चकमा देना

६) कोष्ठक में दिए निर्देशानुसार कार्य करके वाक्य पुन: लिखिए। (३)

१) मेरा यह जीवन समाज को अर्पण है। (वाक्य को शुद्ध कीजिए।)

२) इससे सभी गाँव-वासी निरन्तर दु:खी रहते थे। ('दु:ख का प्रयोग कीजिए)

३) जिसका कोई आधार न हो, उस पर बहस मत करो। (रेखांकित शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कीजिए)

Section – B (40 marks)

प्रश्न ५. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (१०)

जरासीम ने जब यह सुना तो उसे ऐसा लगा मानो किसी ने उसके कलेजे में छुरी भौंक दी हो। यह नौकरी कर लेने पर इस वृद्ध दंपति पर कैसी मुसीबत पड़ेगी, इसकी कल्पना करके वह काँप उठा।

१) जरासीम कौन है और उसने क्या सुना? (२)

२) जरासीम नौकरी के लिए किसके पास गया? उसके बारे में लिखिए। (२)

३) नौकरी मिलने पर चैगोर ने जरासीम को क्या समझाया? स्पष्ट कीजिए। (३)

४) इस पाठ से आपको क्या सीख मिलती है? (३)

प्रश्न ६. विज्ञान की प्रगति ने जहाँ हमें सुखद और आरामदायक जिदंगी दी है, वहीं इस प्रगति एवं सुख की अंधी दौड़ में हम नित्य प्रति कुछ ऐसे रसायनों का वायुमंडल में उत्सर्जन कर रहे हैं जो ओजोन परत को क्षति पहुँचा रहे हैं। (१०)

१) ओजोन गैस का निर्माण कैसे होता है? (२)

२) सी.फ.सी. गैस किस प्रकार ओजोन परत को नुकसान पहुँचा रही है? (२)

३) ओजोन परत में छेद की समस्या से निपटने के लिए दुनिया भर में क्या प्रयास किए जा रहे हैं? (३)

४) "ओजोन परत की क्षति जीवधारियों के लिए बहुत बड़ी चुनौती है।" स्पष्ट कीजिए। (३)

प्रश्न ७. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (१०)

बीती ताहि बिसारि दे, आगे की सुधि लेइ।
जो बनि आवै सहज में, ताही में चित्त देइ।।
ताही में चित्त देइ, बात जोई बनि आवै।
दुरजन हँसे न कोइ, चित्त में खता न पावै।
कह गिरिधर कविराय, यहै करुमन परतीती।
आगे को सुख समुझि हो, बीती सो बीती।।

१) कवि बीती बातों को भुलाकर आगे की सुध लेने की बात क्यों कहता है? (२)

२) प्रस्तुत पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। (२)

३) कवि गिरिधर अपनी कुंडलियों के द्वारा हमें क्या संदेश देना चाहते हैं? (२)

...४/-

CR-10A
2012-18
I session

४) अर्थ लिखिए-

क) बिसारि	ख) परतीती	ग) सुधि	(३)
घ) चित्त	च) दुरजन	छ) सहज	

प्रश्न ८. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (१०)

युगों-युगों से इन झोपड़ियों में रहकर भी,
औरों के हित लगा हुआ हूँ महल सजाने।
ऐसे ही मेरे कितने साथी भूखे रह,
लगे हुए हैं औरों के हित अन्न उगाने।
इतना समय नहीं मुझे जीवन में मिलता,
अपनी खातिर सुख के कुछ सामान जुटा लूँ।
पर मेरे हित उनका भी कर्तव्य नहीं क्या?
मेरी बाँहे जिनकी भरती रही खजाने।

१) कवि ने मजदूर और किसान के विषय में क्या कहा है? (२)
२) मजदूर समय न मिलने के कारण किससे वंचित है? वह अपने अभाव क्यों नहीं मिटा पाया है? (२)
३) उपर्युक्त पंक्तियों का केन्द्रीय भाव लिखिए? (३)
४) इस कविता के संदेश को अपने शब्दों में लिखिए। (३)

बाल महाभारत

प्रश्न ९. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

१) द्रौपदी ने भीष्म और विदुर से क्या प्रश्न किए? (२)
२) पांडवों ने वन में क्या देखा? वास्तव में वह मृग कौन था? (२)
३) दुर्योधन ने पुनःद्यूत क्रीड़ा का आयोजन क्यों किया? हारनेवाले को क्या दंड भुगतना था? (३)
४) मृत पांडवों को जीवनदान कैसे मिला? विस्तार पूर्वक लिखिए। (३)